



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 103]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 20, 2005/चैत्र 30, 1927

No. 103]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 20, 2005/CHAITRA 30, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2005

विषय : इटली से 1.5 डेनियर से कम एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की सुरुवात करना।

सं. 15/17/2004-डीजीएडी.— जबकि 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क

टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इटली (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) से 1.5 डेनियर से कम एक्रिलिक फाइबर (जिसे एतदपश्चात संबद्ध माल कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए 12 अगस्त, 2002 की अधिसूचना सं. 43/1/2001-डीजीएडी के द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे। निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 12 सितम्बर, 2002 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 95/2002-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था।

2. और जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को इटली के निर्यातकों की ओर से एंटरनेशनल रेयॉन और सिंथेटिक फाइबर्स कमेटी (सीआईआरएफएस), ब्रुसेल्स से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें क्षति के बारे में परिवर्तित परिस्थितियों के कारण संबद्ध माल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा किए जाने का अनुरोध किया गया है । समीक्षा हेतु किए गए इस अनुरोध जिसमें सकारात्मक सूचना निहित है, का यूरोपीय संघ द्वारा पूर्ण समर्थन किया गया था । भारत में इटली के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 1.5 डेनियर से कम एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा नियम 23 के अनुसार 3 सितंबर, 2004 की अधिसूचना सं. 15/17/2004-डीजीएडी द्वारा यह निर्धारित करने के लिए की गयी थी कि क्या पाटन को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाए रखना अपेक्षित है और क्या यदि शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है अथवा उसमें घट-बढ़ की जाती है अथवा दोनों स्थितियों में क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी ।

क. मूल जांच

3. इटली मूल के अथवा वहां से निर्यातित 1.5 डेनियर से कम एक्रिलिक फाइबर के आयातों से संबंधित मूल जांच 28 अगस्त, 2001 को शुरू की गई थी, प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम 6.12.2001 को जारी किए गए थे और अनंतिम शुल्क 10.1.2002 की सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा लगाया गया था । अंतिम जांच परिणाम 12.8.2002 को जारी किया गया था और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 12 सितंबर, 2002 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 95/2002-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था ।

ख. प्रक्रिया

इस जांच के संबंध में निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया अपनायी गयी है :-

- (i) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के शीर्ष/उपशीर्ष 5501.30 तथा 5503.30 के अंतर्गत आने वाले इटली मूल के अथवा वहां से निर्यातित 1.5 डेनियर से कम एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की कार्रवाई शुरू करते हुए दिनांक 3 सितंबर, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।
- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, घरेलू उद्योग, भारत में इटली के दूतावास, भारत में ईसी के शिष्टमंडल को उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी तथा उन्हें अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया ।
- (iii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देश के दूतावास को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई । उक्त नियम-6 के उप नियम 4 के अनुसार प्राधिकारी ने इस समीक्षा की शुरुआत की तारीख से चालीस दिनों के भीतर निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए एक प्रश्नावली भी भेजी :-

मैसर्स मोंटे फाइबर
मिलान,
इटली

इंटरनेशनल रेयॉन एंड सिंथेटिक
फाइबर्स कमेटी
एवेन्यू ई-वान निवेनहुसे, 4
बी-1160 ब्रुसेल्स
बेल्जियम

- (iv) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) एवं वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रदान करें ।
- (v) संबद्ध देश के दूतावास और भारत में ईसी के शिष्टमंडल को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गई जिसमें यह अनुरोध किया गया कि वह अपने-अपने देश के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन और प्रश्नावली की एक प्रति भी उन्हें भेजी गई थी ।
- (vi) एक प्रश्नावली भारत में संबद्ध माल के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/उद्योग के संघों को भेजी गयी थी जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी ।

मै. राजस्थान स्पिनिंग एंड बीबिंग मिल्स लि.,
भीलवाड़ा भवन,
40-41 कम्युनिटी सेंटर
नई दिल्ली - 110065

मै. सिद्धार्थ सुपर स्पिनिंग मिल्स लि.
211, गगन दीप,
12, राजेन्द्रा प्लेस,
नई दिल्ली - 110008

मै. आदिनाथ टेक्सटाइल्स लि.,
गाँव - भोलापुर
पो.आ.साहबाना मुंडिया,
लुधियाना, पंजाब

मै. वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स
चंडीगढ़ रोड,
लुधियाना - 141011
पंजाब

मै. मालवा काटन स्पिनिंग मिल्स लि.
इंडस्ट्रियल एरिया "ए",
लुधियाना - 141003
पंजाब

मै. विनसम टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लि.,
एससीओ 144-145, सेक्टर 34 ए,
चंडीगढ़ - 160022

1267-El/05-2

मै. भिवानी टेक्सटाइल मिल्स
भिवानी (जिला - हिसार)
हरियाणा ।

मै. श्रुति सिंथेटिक्स लि.,
गाँव लोयारान गगुंडा रोड,
उदयपुर, राजस्थान

मै. नाहर स्पिनिंग मिल्स लि.,
373, इंडस्ट्रियल एरिया - ए
लुधियाना - 141003
पंजाब ।

इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन,
मार्फत दि मिल ओनर्स एसोसिएशन,
एल्फिन्स्टोन बिल्डिंग,
10, वीर नरीमन रोड,
फोर्ट, मुंबई-400001

ए वी एम इंडस्ट्रीज लि. (इकाई:
1009 अंसल भवन,
16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

दीपक स्पिनर्स लि.,
एस.सी.ओ. 16, द्वितीय तल
सेक्टर-26,
चंडीगढ़-160019

लुधियाना स्पिनर्स एसोसिएशन,
75, इंडस्ट्रियल एरिया-ए,
लुधियाना - 141003

- (vii) प्राधिकारी ने 21 दिसंबर, 2004 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप में प्रस्तुत करने का अवसर दिया । मौखिक रूप से विचार प्रस्तुत करने वाली हितबद्ध पार्टियों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त विचारों को लिखित में देने का किया गया था । पक्षकारों को विरोधी पार्टियों द्वारा अभिव्यक्त विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन यदि कोई हो, प्रस्तुत करने की सलाह दी गयी थी ।
- (viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर उनके द्वारा प्रस्तुत सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध करायी ।
- (ix) मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरुआत के पश्चात सार्वजनिक सुनवाई के बाद और प्रकटनों के उत्तर में हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिये गये तर्क पर इन जांच परिणामों में उचित कार्यवाई की गयी है ।
- (x) उपर्युक्त पाटनरोधी नियमों के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार को 21 फरवरी, 2005 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को एक प्रकटन विवरण के जरिए दिखाया और उनके संबंध में प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में भी विधिवत रूप से विचार किया गया है ।
- (xi) घरेलू उद्योग की लागत जांच और मौके के सत्यापन (जैसा कि आवश्यक समझा गया) सहित सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और घरेलू

उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत का भी परिकलन किया गया था ।

(xii) इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गयी सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

(xiii) जांच में 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक की अवधि शामिल है । क्षति वर्गीकरण में पिछले तीन वर्षों 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 एवं जांच की अवधि शामिल है ।

(xiv) जांच सूचना की प्रतियां एफ आई सी आई, सी आई आई, एसोचेम इत्यादि को भी विस्तृत परिचालन हेतु भेजी गयी थीं ।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु:

5. विचाराधीन उत्पाद:

मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद एक्रिलिक फाइबर था और वर्तमान समीक्षा के लिए भी विचाराधीन उत्पाद एक्रिलिक फाइबर है । एक्रिलिक फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम एवं आई टी सी एच एस वर्गीकरण के प्रथम अनुसूची के अध्याय-55 के शीर्ष सं. 5501.30 एवं 5503.30 में शामिल है । तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है । इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन, मुंबई ने तर्क दिया है कि एक्रिलिक फाइबर और टो को अलग-अलग होना चाहिए जैसा कि फाइबर और टो

दोनों के लिए पृथक एच एस एन लाइनें हैं । फाइबर सूती स्पिनिंग सिस्टम पर तकली कार्य हेतु कच्चा माल है जबकि टो बुनाई उद्योग के लिए कच्चा माल है । आगे यह कि मोड एक्रिलिक आयातों को आयातों से अलग रखा जाना चाहिए । घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि आई एस ए द्वारा दिये गये तर्कों पर एक्रिलिक फाइबर से संबंधित अन्य जांचों में पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है और प्राधिकारी का मानना है कि एक्रिलिक फाइबर और टो दोनों समान वस्तुएं हैं । इस मुद्दे का मै. ओसवाल वुलेन मिल्स बनाम-निर्दिष्ट प्राधिकारी की अपील सं. सी/70/99-एडी में माननीय सेस्टाट द्वारा पहले ही निर्णय किया जा चुका है ।

प्राधिकारी का मानना है कि यह एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मध्यावधि समीक्षा है । विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र समीक्षा के अधीन नहीं है । इसके अतिरिक्त एक्रिलिक स्टेपल फाइबर और टो का मुद्दा जिसे एक्रिलिक फाइबर के उत्पाद विवरण में शामिल किया जाना है, को माननीय सेस्टाट ने उपर्युक्त अपील में निर्णीत किया है । इसलिए प्राधिकारी का मानना है कि विचाराधीन उत्पाद एक्रिलिक फाइबर है जिसमें स्टेपल फाइबर और टो शामिल हैं । मोड एक्रिलिक विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं है ।

6. समान वस्तु :

घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित उत्पाद एवं संबद्ध देश से आयातित उत्पाद में विशेष अंतर नहीं है । उन्होंने यह भी कहा है कि संबद्ध उत्पाद की विशेषताएं संबद्ध देशों से आयातित वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं । इन दावों के विरुद्ध कोई तर्क नहीं है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन करता है । निर्यातकों से प्राप्त सूचना और

1267-41/55-3

घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किया जा रहा उत्पाद, विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक विकल्प है और भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं, कार्य एवं प्रयोग, आवंटन और विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के अनुसार तुलनीय है । इसलिए प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद संबद्ध देशों से आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु है ।

घ. घरेलू उद्योग:

7. मूल जांच के समय एक्रिलिक फाइबर के विनिर्माताओं के फोरम ने आवेदन दाखिल किया था और मै. इंडियन एक्रिलिक लिमिटेड, मै. पशुपति एक्रिलोन लि. और मै. कंसोलिडेटेड फाइबर एवं केमिकल्स लि. ने सूचना प्रदान की और जांच में भाग लिया । वर्तमान समीक्षा जांच में, उपर्युक्त तीन उत्पादकों के अतिरिक्त, मै. वर्धमान एक्रिलिक्स लि. ने भी लागत और क्षति निर्धारण से संबंधित उपर्युक्त सूचना प्रदान की । उपर्युक्त चारों उत्पादक संबद्ध वस्तुओं के समस्त घरेलू उत्पादन के मुख्य हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं । प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर इन उत्पादकों को "घरेलू उद्योग" के प्रतिनिधि के रूप में माना है ।

ड समीक्षा की शुरुआत, प्राप्त उत्तर और दिये गए तर्क:

8. जांच शुरुआत के उत्तर में, निम्नलिखित द्वारा दिये गये उत्तर:

(क) निर्यातक:

किसी निर्यातक ने प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है । न ही सी आई आर

एफ एस ने कोई जवाब दिया है । केवल मै. मार्किस्च फेजर एजी, प्रेमनिट्ज, जर्मनी ने सूचित किया है कि नब्बे के मध्य उन्होंने एक्रिलिक फाइबर का उत्पादन बंद कर दिया था और वे एक्रिलिक फाइबर का व्यापार नहीं कर रहे हैं ।

(ख) आयातक/एसोसिएशन:

निम्नांकित आयातकों/एसोसिएशन ने उत्तर दाखिल किये :

- (i) मै. बंस्वारा सिन्टेक्स लिमिटेड, बंस्वारा ।
- (ii) मै. राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स लि., मुंबई ।
- (iii) मै. सतलज इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई ।
- (iv) इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन, मुंबई ।

(ग) घरेलू उद्योग:

9. घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गये प्रक्रियात्मक मुद्दे :

(क) आईएसए को सुने जाने का अधिकार-

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन (आई एस ए) पर नियम 2(ग) के अंतर्गत हितबद्ध पार्टी के रूप में विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि उन्होंने अपने सदस्यों की सूची तथा एक्रिलिक फाइबर की खपत के बारे में अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है । आई एस एस ने यह तर्क दिया है कि आई एस ए के सदस्य एक्रिलिक फाइबर के आयातक हैं और कुछ सदस्यों ने समय-समय पर आयातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है । इसके अलावा इस बात के बारे में कोई

आपत्ति नहीं हो सकती है यदि कोई प्रयोक्ता अपने प्रतिनिधिक निकाय को ठीक उसी प्रकार उसकी ओर से उपस्थित होने के लिए कहता है जैसा कि परामर्शदार्ताओं/वकीलों को किसी जांच में भाग लेने की अनुमति दी जाती है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीन आयातकों ने अपने एम टी आर में उत्तर प्रस्तुत किये हैं और उन्होंने आई एस ए को उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए प्राधिकार प्रदान किया है । प्राधिकारी आई एस ए द्वारा दिये गये तर्कों की जांच करना उचित समझते हैं ।

(ख) मध्यावधि समीक्षा जांच का कोई औचित्य नहीं-

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि :

- याचिका कर्ता द्वारा कथित परिवर्तित परिस्थितियां ऐसी परिवर्तित परिस्थितियां नहीं हैं जिनमें मध्यावधि समीक्षा अपेक्षित हो ।
- सी आई आर एफ एस द्वारा दायर याचिका में भारी कमी है और उसमें इस बात को प्रदर्शित करने के लिए न तो कोई सकारात्मक साक्ष्य है और न ही निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकार्ड में उपलब्ध पर्याप्त सूचना है कि परिवर्तित परिस्थितियों में मध्यावधि समीक्षा अपेक्षित है । जांच की शुरुआत साक्ष्य अपुष्ट याचिका के आधार पर की गयी है ।
- विदेशी उत्पादक का यह भी दावा नहीं है कि उत्पाद का अब भारतीय बाजार में पाटन नहीं किया जा रहा है अथवा घरेलू उद्योग को अब क्षति हो रही है अथवा पाटनरोधी शुल्क निरस्त किये जाने के परिणामस्वरूप उसे क्षति होने की संभावना नहीं है ।

- कीमत कटौती घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में एकमात्र मापदंड है । अनेक ऐसे अन्य मापदंड हैं जिनसे यह पता चल सकता है कि न केवल पाटन हुआ है बल्कि घरेलू उद्योग को क्षति भी हो रही है । निर्यातक ने नकारात्मक कीमत कटौती की अपने दावे की पुष्टि नहीं की है ।
- याचिकाकर्ता ने आगे यह दावा किया है कि अकुशलता और घटिया गुणवत्ता के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति खराब हुई है । मात्रा के मानक, कुशलता और गुणवत्ता के बारे में ई यू और भारतीय उत्पादकों के बीच अंतर न केवल तथ्यतः गलत है अपितु भ्रामक एवं कानूनन अस्वीकार्य भी है । ई यू संयंत्रों की परिचालन क्षमता के बारे में किया गया दावा तथ्यतः गलत है । स्पेन के एक संयंत्र ने हाल ही में अपना प्रचालन बंद कर दिया है । पाटित आयातों के कारण उत्पन्न हुई हर प्रकार की कठिनाइयों के बावजूद पिछले दस वर्षों में भारत का कोई भी संयंत्र बंद नहीं हुआ है । वास्तविकता यह है कि यूरोपीय संयंत्र काफी अधिक लागत, भारी अकुशलता और संयंत्रों के कम उपयोग के कारण पंगु बन गये हैं । घरेलू उद्योग में बिक्री, बाजार हिस्सा तथा क्षमता उपयोग, नकदी प्रवाहगत प्रचालन, निवेश पर आय के संबंध में सुधार हो रहा है । यद्यपि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है तथापि यह बाजार में सतत पाटन के कारण अपेक्षित स्तर का नहीं है ।
- भारतीय उद्योग को हुई क्षति की संभावना की जांच के बारे में निर्णायक समीक्षा से संबंधित विधि शास्त्र को किसी मध्यावधि समीक्षा में समान रूप से लागू किया जाता है ।

12679/05-4

- प्राधिकारी को समीक्षा के लिए अपेक्षित आरोपित परिवर्तित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आदेश समाप्त किये जाने की स्थिति में आयातों की संभावित मात्रा, घरेलू उद्योग पर कीमत प्रभाव पर विचार करना चाहिए ।
- चूंकि निर्यातक द्वारा आरोपित आधार समीक्षा हेतु अपेक्षित परिवर्तित परिस्थितियां नहीं हैं इसलिए वर्तमान समीक्षा जांच को समाप्त करना अपेक्षित है ।

(ग) इंडियन स्पिनर्स एसोसिएशन (आई एस ए) द्वारा यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हाल ही में दिनांक 10.11.2004 की अधिसूचना द्वारा जापान, स्पेन, पुर्तगाल और इटली से एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा में अंतिम जांच परिणाम जारी किए हैं और प्राधिकारी का यह मानना है कि इटली से एक्रिलिक फाइबर के आयात पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की कोई आवश्यकता नहीं है । उक्त अधिसूचना में किसी डेनियर का उल्लेख नहीं किया गया है और इसलिए यह जांच परिणाम 1.5 से कम डेनियर वाले सहित इटली से आने वाले सभी डेनियरों को एक्रिलिक फाइबर पर लागू है ।

(घ) जहां तक इस समीक्षा की शुरुआत के संबंध में घरेलू उद्योग से तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी मानते हैं कि यह समीक्षा पाटनरोधी नियमों के नियम 23 के अनुसार है । सी आई आर एफ एस ने कीमत कटौती की गैर-मौजूदगी की परिवर्तित परिस्थितियां और इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है । प्रकटन पत्र के जवाब में घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास समीक्षा को आरंभ करने को उचित

ठहराने का नकारात्मक कीमत कटौती का कोई साक्ष्य नहीं था । प्राधिकारी का विचार है कि आवेदक ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद-11.2 के अनुसार सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है और प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया समीक्षा आरंभ करने से पहले सूचना की सच्चाई की जांच की है । कीमत कटौती की अनुपस्थिति भी क्षति जांच में एक महत्वपूर्ण मापदंड है । प्राधिकारी मानते हैं कि यह समीक्षा करार के नियम 23 और धारा 11.2 के अनुसार है । नियम 23 के अनुसार प्राधिकारी को शुल्क को लगातार जारी रखने के संबंध में एक निर्णय पर पहुंचने की आवश्यकता है और जहां यह पाया जाता है कि शुल्क को लगातार जारी रखने के लिए कोई औचित्य नहीं है, वहां प्राधिकारी को इसको वापस लेने की सिफारिश करनी होती है । सकारात्मक समीक्षा को प्रस्तुत करने के आधार पर आरंभ की गई समीक्षा की शुरुआत के पश्चात निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है ।

(ड) जहां तक जापान, स्पेन, पुर्तगाल और इटली से एक्रिलिक फाइबर के आयातों के संबंध में दिनांक 10.11.2004 को दूसरी मध्यावधि समीक्षा के मद्देनजर इस मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता के बारे में आई एस ए के तर्कों का संबंध है प्राधिकारी का विचार है कि इटली से 1.5 डेनियर से कम के एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की 3.9.2004 को आरंभ की गई मध्यावधि समीक्षा उचित है और उसे आर्डर में माना गया है ।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में दावों की जांच:

10. प्रारंभिक अधिसूचना की प्रति संबद्ध देशों के दूतावासों, भारत में ई सी के प्रतिनिधिमंडल, सी आई आर एफ एस, ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी गई थी । मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत के जवाब में न तो सी आई आर

एफ एस और न ही इटली के किसी निर्यातक ने प्रश्नावली के बारे में कोई सूचना दी है । मै. मोन्टी फाइबर, इटली ने 1.5 डेनियर से कम के लगभग XXX मी. टन एक्रिलिन फाइबर के निर्यात के बारे में सूचना दी है । उन्होंने निर्यात कीमत के बारे में सूचना दी है । तथापि उन्होंने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्री, उत्पादन की लागत इत्यादि के बारे में प्रश्नावली में सूचना नहीं दी है । किसी अन्य निर्यातक ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । प्रकटन के जवाब में किसी निर्यातक और सी आई आर एफ एस से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है । प्रकटन के जवाब में घरेलू उद्योग ने नियम 6(8) के अनुसार, उपलब्ध तथ्यों के प्राधिकारी के सहारा लेने का समर्थन करते हुए उल्लेख किया है कि किए गए समायोजनों को विनिर्दिष्ट किए बिना अनुचित रूप से कम हैं । समायोजनों के बारे में किसी विशिष्ट दावे की अनुपस्थिति में प्राधिकारी ने किए गए समायोजनों को उचित माना है । प्रकटन के जवाब में आई एस ए ने तर्क दिया है कि यूरोप की औसत घरेलू कीमतों के आधार पर इटली में घरेलू कीमतों को निकालना अनुचित हो सकता है । घरेलू उद्योग को टेकनॉन कीमतों, जो समग्र रूप से महाद्वीप के लिए औसत कीमतें बताती हैं, पर भरोसा करने के बजाय इटली में वाणिज्यिक अखबारों में प्रकाशित कीमत ब्यौरे प्रस्तुत करने चाहिए थे । प्राधिकारी ने पाया है कि न तो इटली और न ही सी आई आर एफ एस के किसी भी निर्यातक ने इटली से संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत के बारे में कोई सूचना प्रस्तुत की है । आई एस ए ने अपने तर्कों के समर्थन में भी कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है । निर्यातकों और किसी हितबद्ध पक्ष से किसी जवाब की अनुपस्थिति में प्राधिकारी इटली के निर्यातकों को गैर-सहयोगी मानते हैं और धारा 6.8 के साथ पठित नियम 6(8) और पाटनरोधी करार के अनुबंध-11 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लेने को बाध्य हैं ।

11. घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक सुनवाई के बाद लिखित अनुरोधों में सामान्य मूल्य के आकलन के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। सामान्य मूल्य के लिए उनके दावे के समर्थन में उन्होंने ट्रेड जरनल टेकनॉन-17 मार्च, 2004 संस्करण पर भरोसा किया है। पत्रिका में यूरोप सहित विभिन्न क्षेत्रों में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004 के दौरान प्रचलित एक्रिलिक फाइबर की घरेलू कीमत के बारे में सूचना दी गई थी। प्राधिकारी ने इटली के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पत्रिका टेकनॉन में यथा सूचित अप्रैल, 2003-मार्च, 2004 की अवधि के लिए यूरोप के लिए एक्रिलिक फाइबर की औसत घरेलू कीमत के आधार पर इटली के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। 5% का समायोजन खुदरा विक्रेताओं के मार्जिन और स्थानीय भाड़े के कारण हुई औसत कीमत से किए गए हैं। इस सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य 1731.35 अम.डॉलर प्रति मी.टन निकाला गया है।

12. निर्यात कीमत:

घरेलू उद्योग ने विभिन्न देशों से एक्रिलिक फाइबर के आयातों से संबंधित डीजी सी आई एंड एस आंकड़े प्रस्तुत किए थे। डीजी सी आई एंड एस आंकड़ों के अनुसार इटली से एक्रिलिक फाइबर के आयात 1141796 कि.ग्रा. रहे हैं जिसका मूल्य 7,43,42,016/-रु. है। मोटे फाइबर के अनुसार 1.5 डेनियर से कम के एक्रिलिक फाइबर के निर्यात लगभग *** मी.टन के हैं। प्राधिकारी की सूचना के अनुसार इटली से कोई अन्य निर्यातक नहीं है। प्राधिकारी का यह विचार है कि डीजी सी आई एंड एस में दर्ज उच्च निर्यात मात्रा सभी डेनियर के एक्रिलिक फाइबर के निर्यातों के कारण होगी। प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के संबंध में मै. मोन्टे फाइबर द्वारा दी गई सूचना को सही माना है। निर्यात कीमत में *** प्रति टन की दर से समुद्री भाड़े, 0.5% की दर से बीमा, 3% की दर से कमीशन, 1% की दर

1267 GI/05-5

से अंतर्देशीय भाड़े, 1% की दर से पत्तन व्यय के लिए समायोजन किए गए हैं । कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत *** अमरीकी डॉलर प्रति मी.टन निर्धारित की गई है ।

13. पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में यथा उल्लिखित सामान्य मूल्य, निर्यात-कीमत और पाटन मार्जिन को शासित करने वाले सिद्धांतों का प्रयोग करने की संगत प्रक्रिया का पालन किया है । पाटन मार्जिन का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 में उल्लिखित सिद्धांत के अनुपालन में निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की उचित ढंग से तुलना के आधार पर किया गया है । यह तुलना व्यापार के समान स्तर अर्थात् कारखाना द्वार स्तर पर की गई है । 1.5 डेनियर से कम के एक्रिलिक फाइबर के कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के साथ की गई है । ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर, प्राधिकारी ने निम्नलिखित पाटन मार्जिन (%) निर्धारित किए हैं :-

सामान्य मूल्य	1731.85
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन %	24.20

छ. घरेलू उद्योग को हुई क्षति:

14. घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गये मुद्दे:

याचिकाकर्ता द्वारा ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क

को वापस लेने के परिणामस्वरूप क्षति के जारी रहने की संभावना नहीं है । जैसा कि पहले बताया गया है, ऋणात्मक कीमत कटौती के संबंध में याचिकाकर्ता का दावा स्पष्ट रूप से संयोग है, जो सकारात्मक साक्ष्यों द्वारा समर्थित नहीं है और इसके साथ सत्यापन योग्य साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए गए हैं ।

14.1 एकिलिक फाइबर का वैश्विक उत्पादन:

यूरोप के उत्पादक यूरोप में मांग में कमी के कारण घाटा उठा रहे हैं । उनके पास एशियाई बाजार में उत्पाद का पाटन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है । इससे पहले चीन अनेक देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारी मात्रा में आयात कर रहा था तथापि, चीन ने अब अपनी घरेलू क्षमता में वृद्धि की है और वस्तुतः उसने अन्य देशों को इसका निर्यात करना शुरू कर दिया है । इसके परिणामस्वरूप विश्व भर में विशेष रूप से यूरोप में अनेक उत्पादकों के पास अप्रयुक्त क्षमता का निर्माण हुआ है ।

14.2 घरेलू उद्योग की असुरक्षा:

घरेलू उद्योग को अनेक देशों से पाटित आयातों से लगातार वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है । इस बात की काफी संभावना है कि शुल्क वापस लेने से भारतीय बाजार में उक्त सामग्री की बाढ़ आ जाएगी । यह शुल्क के लागू होने के बाद भी इटली से लगातार पाटन से स्पष्ट है । दूसरे शब्दों में, भारतीय बाजार आयातों के प्रति असुरक्षित है क्योंकि घरेलू उद्योग वर्तमान देश और अन्य देशों से पहले किए

गए पाटन से पूर्ण रूप से नहीं बच पाया था । ऐसे मामले में यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग क्षति के प्रति असुरक्षित है ।

14.3 निर्यातकों की पर्याप्त उत्पादन क्षमता

इटली के उत्पादकों के पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता है जबकि यूरोप में इस उत्पाद की मांग काफी कम है । यह सुस्पष्ट है कि यूरोप के उत्पादकों के पास अत्यधिक क्षमता है । अतः वर्तमान शुल्क को वापस लेने से भारतीय बाजार में भारी मात्रा में आयात होंगे ।

14.4 चल रहे पाटन मार्जिन का स्तर

यह स्पष्ट है कि संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है । पहले की गई जांच में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारी पाटन मार्जिन पाया था ।

14.5 अनेक देशों से पाटन

घरेलू उद्योग को संबद्ध देश सहित विभिन्न देशों से हुए पाटन के कारण क्षति उठानी पड़ी थी, जिसके विरुद्ध जांच या तो चल रही है या फिर पाटनरोधी शुल्क पहले से लागू है । विश्व भर में उत्पाद की अधिशेष अप्रयुक्त क्षमता के परिणामस्वरूप प्रचालित सामान्य मूल्य से कम कीमत पर उत्पाद का निर्यात हो रहा है । दुर्भाग्यवश, इस स्थिति के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में लगातार पाटन हो रहा है और घरेलू उद्योग को क्षति होना जारी है ।

14.6 अनेक स्रोतों से हुई क्षति:

घरेलू उद्योग को अनेक स्रोतों से उत्पाद के पाटन के कारण क्षति उठानी पड़ी है । इसमें से अनेक पर पाटनरोधी शुल्क लागू है । इस प्रकार घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मौजूदा शुल्क और अन्य देशों के विरुद्ध चल रही जांच के आलोक में देखा जाना अपेक्षित है ।

14.7 आयात और बाजार हिस्सा:

पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू उद्योग पर इसके प्रभाव के बारे में ए डी ए में यह व्यवस्था है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या आयातक सदस्य के उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । मध्यावधि समीक्षा के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस बात की जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या घरेलू उद्योग को अब क्षति नहीं हो रही है और पाटनरोधी शुल्क वापस लेने से क्षति जारी रहेगी या क्षति की पुनरावृत्ति होगी । इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क को हटाने की स्थिति में आयातों की संभावित मात्रा मध्यावधि समीक्षा में पूर्ववर्ती अवधि में हुए आयातों की वास्तविक मात्रा से अधिक संगत एवं महत्वपूर्ण है । रिकॉर्ड में दर्ज सूचना से यह देखा जाएगा कि पाटनरोधी शुल्क होने के बाद संबद्ध देश से हुए आयात में पिछले वर्षों में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है । इस प्रकार शुल्क लागू होने से घरेलू उद्योग अपने निष्पादन के स्तर (मात्रा के मामले में) को बढ़ाने में मदद मिली है और इसके परिणामस्वरूप शुल्क हटाये जाने से घरेलू उद्योग का इसकी बिक्री मात्राओं में संभावित गिरावट के रूप में घरेलू उद्योग को अधिक क्षति होगी ।

1267 GI/05-6

14.8 उत्पादन, बिक्रियां, क्षमता उपयोग और उत्पादकता:

यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग, उत्पादकता और बिक्रियों में पाटनरोधी शुल्क लागू होने के परिणामस्वरूप बीते वर्षों में वृद्धि हुई है ।

14.9 लाभ/हानि, नकद प्रवाह, लगाई गई पूंजी पर आय:

यद्यपि उद्योग पर्याप्त लाभ नहीं कमा रहा है तथापि, लाभप्रदता में सुधार हुआ है । इस बात की काफी संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क वापस लेने से या तो भारतीय बाजार में संबद्ध सामग्री की अत्यधिक आपूर्ति होगी या फिर घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत कम करनी पड़ेगी । यदि घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत को कम करता है (जिसकी सर्वाधिक संभावना है क्योंकि उत्पादन कर करने का काफी बुरा प्रभाव पड़ेगा और यह घरेलू उद्योग के लिए अंतिम उपाय है) तो स्पष्ट रूप से इसका अर्थ यह है कि पाटनरोधी शुल्क वापस लेने से नकद प्रवाह, लाभ और निवेश पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

लगाई गई पूंजी पर आय और प्रचालन से नकद प्रवाह में पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद से सुधार प्रदर्शित हुआ है । यदि पाटनरोधी शुल्क को वापस लिया जाता है तो यह निवेशों पर आय के वर्तमान स्तर को बनाए रखने की स्थिति में भी नहीं होगा । ऐसी स्थिति में यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।

15. प्रकटन विवरणों पर घरेलू उद्योग की टिप्पणियां :

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने केवल घरेलू उद्योग की वर्तमान क्षति की जांच की है । मध्यावधि समीक्षा में पाटन और क्षति के जारी रहने की संभावना की भी जांच की जानी चाहिए । इस तथ्य के होते हुए कि पाटनरोधी शुल्क लागू है, धारा 9 क(5) और नियम 23 के अंतर्गत यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को हटाने का परिणाम क्षति के जारी रहने और/अथवा पुनः क्षति के रूप में होगा । इसके अतिरिक्त, यह तर्क दिया गया है कि वास्तविक क्षति के खतरे के लिए जांच क्षति के पुनर्घटित होने की जांच पर लागू अथवा उसके संगत नहीं है । पाटनरोधी शुल्क को वापस लिए जाने की स्थिति में लगातार पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने की संभावना है । पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद एक अथवा कई मापदंडों में सुधार होने का अर्थ यह नहीं है कि शुल्क को हटा दिया जाना चाहिए । घरेलू उद्योग के निष्पादन में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के कारण सुधार हुआ । जब घरेलू उद्योग को कई स्रोतों से आयातों का सामना करना पड़ा है तो कीमत कटौती को अलग से नहीं देखा जा सकता । चूंकि आवश्यक मापदंडों को पूरा कर लिया गया है अतः पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखा जाना आवश्यक है ।

16. आई एस ए द्वारा उठाए गए मुद्दे:

- (i) फिलामेंट टो और एक्रिलिक फाइबर के लिए अलग-अलग परिकलन किए जाने की आवश्यकता है । मॉड-एक्रिलिक और असंबद्ध उत्पादों के आयातों को छोड़ा जाना भी आवश्यक है ।

- (ii) सी आई आर एफ एस ने घरेलू उद्योग की स्थिति पर एक नोट प्रस्तुत किया है जिससे यह स्थापित होता है कि एक्रिलिक फाइबर उद्योग की वर्तमान समस्या छोटे संयंत्र आकार, दक्षता की कमी, गुणवत्ता की कमी, प्रौद्योगिकीय अकुशलता के कारण है । घरेलू उद्योग की समस्याओं के लिए आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है ।
- (iii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में बहुत अधिक सुधार हुआ है और आयातों के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है । उत्पादन तथा बिक्री में सुधार प्रदर्शित हुआ है । घरेलू उद्योग के निर्यातों में वृद्धि हुई है ।
- (iv) घरेलू उद्योग एक्रिलिक फाइबर की कीमत में काफी वृद्धि कर पाया है । एक्रोनाइट्राइल की कीमत में के कारण कीमतों में यह वृद्धि उचित से बहुत अधिक है ।
- (v) घरेलू उत्पादक की फैक्टरी से मिल द्वार तक का भाड़ा, जमा बिक्री कर और चुंगी सहित घरेलू कीमत 6.25 रु. प्रति कि.ग्रा. है । कीमत कटौती के साथ बिक्री कीमत की तुलना करते समय इस पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है ।
- (vi) संबद्ध वस्तु की कीमत सूती, पॉलिस्टर, विस्कोस आदि जैसे प्रतिस्पर्धी फाइबर्स की कीमतों की प्रवृत्ति पर भी निर्भर करती है । सभी प्रतिस्पर्धी फाइबर्स की समग्र स्थिति पर भी विचार किया जाना चाहिए ।
- (vii) चूंकि आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है अतः इस मामले में पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना आवश्यक नहीं है ।

17. प्राधिकारी द्वारा जांच:

फिलामेंट टो तथा एक्रिलिक फाइबर के लिए अलग-अलग परिकलन संबंधी आई एस ए के तर्कों के संबंध में प्राधिकारी का मत यह है कि यह एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के संबंध में मध्यावधि समीक्षा है । विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र समीक्षा के अधीन नहीं है । इसके अतिरिक्त, एक्रिलिक फाइबर के उत्पाद विवरण के अंतर्गत शामिल किए जाने वाले एक्रिलिक स्टेपल फाइबर और टो के मुद्दे पर भी माननीय सेस्टेट द्वारा अपील में निर्णय दिया गया है । अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि 1.5 डेनियर से कम के एक्रिलिक फाइबर के रूप में विचाराधीन उत्पाद में स्टेपल फाइबर और टो शामिल हैं । उत्पादकों द्वारा भी एक्रिलिक फाइबर के समग्र विवरण के अंतर्गत उनकी वार्षिक खातों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है । दो अलग-अलग स्पिनिंग प्रक्रियाओं के अंतर्गत टो एवं स्टेपल फाइबर की स्पिनिंग टो एवं फाइबर को अलग-अलग करने को उचित नहीं सिद्ध करती है । मॉड एक्रिलिक फाइबर के संबंध में प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त सौदा-वार आयात आंकड़ों का विश्लेषण किया है और आयातों की मात्रा से मॉड एक्रिलिक फाइबर को बाहर रखा गया है प्राधिकारी अन्य फाइबर्स से प्रतिस्पर्धा के बारे में आई एस ए के तर्क को भी संगत नहीं पाते हैं । इससे अतिरिक्त, वक्तव्य के समर्थन में आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं ।

18. क्षति मापदंडों का विश्लेषण:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को विभिन्न क्षति मापदंडों के संबंध में क्षति संबंधी सूचना का निम्नानुसार विश्लेषण किया है :-

1267 GI/05-7

19. पाटित आयातों की मात्रा एवं आयात कीमतें:

डीजीसीआईएंड एस आंकड़ों के अनुसार एक्रिलिक फाइबर के आयातों की मात्रा निम्नानुसार पाई गई है :-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
आयात	मी.टन	1155	1033	2060	1142
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89.4	178.35	98.87
अन्य देश	मी.टन	12812	8636	19351	11417
कुल आयात	मी.टन	13967	9669	21411	12559
आयातों में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	%	8.27	10.68	9.62	9.09

प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देश से आयातों में अधिक वृद्धि नहीं हुई थी और वे एक समान बने रहे हैं । कुल आयातों में संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 8.27% से मामूली तौर पर बढ़ कर जांच अवधि के दौरान 9.09% हो गया था ।

20. कीमत प्रभाव:

(क) कीमत कटौती:

प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की । कीमत कटौती की जांच करते समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु की बिक्री प्राप्ति पर विचार किया और उसकी तुलना संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य से की । प्राधिकारी ने भाड़े, चुगी आदि के कारण घरेलू बिक्री कीमत में समायोजन के बारे में आई एस ए के तर्क को भी नोट किया है । प्राधिकारी ने राजस्व छूटों, भाड़े को छोड़ कर घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति पर विचार किया

है । चुंगी के घटक को बिक्री प्राप्ति में शामिल नहीं किया गया है । इस प्रकार, तुलना समान स्तर पर की गई है । कीमत कटौती की प्रवृत्ति को निम्नानुसार पाया गया है :-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
निर्यात कीमत	रु./मी.टन	64870	63150	63360	***
पहुंच मूल्य	रु./मी.टन	78622	76538	76792	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.टन	***	***	***	***
कीमत कटौती की रेंज	%	1-10%	(-) 8-18%	(-) 1-10%	(-) 5-15%

प्राधिकारी ने यह पाया है कि इटली से आयातों के संबंध में कीमत कटौती ऋणात्मक थी । प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से आयातों से कोई कीमत कटौती नहीं पाई है ।

(ख) कीमत ह्रास एवं अवमूल्यन:

प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान बिक्री कीमत की प्रवृत्ति और घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत के आंकड़ों की निम्नानुसार जांच की है :-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
उत्पादन लागत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82.94	83.87	83.99
निवल बिक्री प्राप्ति-घरेलू	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84.22	93.43	96.92

प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन की लागत में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है । तथापि, प्राप्ति में उस सीमा तक गिरावट नहीं आई है । इसमें 2001-02 के दौरान गिरावट आई थी । तथापि, बिक्री प्राप्ति में 2002-03

और 2003-04 के दौरान वृद्धि हुई थी । प्राधिकारी ने कीमत अथवा कीमत अवमूल्यन नहीं पाया ।

21. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग को निम्नानुसार पाया :-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
क्षमता	मी.टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104.58	106.19	117.86
क्षमता उपयोग	%	88.01	92.03	93.45	103.73

प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ है तथा इसमें आधार वर्ष के संदर्भ में 117% तक वृद्धि हुई । क्षमता उपयोग में भी सुधार प्रदर्शित हुआ क्योंकि यह वर्ष 2000-01 के दौरान 88.01% की तुलना में जांच अवधि के दौरान 103.73% तक बढ़ा ।

22. बिक्री, मांग तथा बाजार हिस्सा:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
घरेलू उद्योग की बिक्री	सूचीबद्ध	100	113.25	98.10	105.25
आईपीसीएल की बिक्री	सूचीबद्ध	100	118.44	125.83	116.64
भारतीय उद्योग की बिक्री	सूचीबद्ध	100	114.10	102.67	107.13
आयात	मी.टन	13967	9669	21411	12559
मांग	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108.17	109.37	104.99
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	72.47	75.88	65.01	72.75

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104.70	89.70	100.38
आईपीसीएल	%	14.29	15.65	16.44	15.90
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109.50	115.05	111.15
संबद्ध देश	%	1.09	0.9	1.78	1.03
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82.66	163.06	94.28
अन्य देश	%	12.14	7.56	16.76	10.32
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	62.31	139.09	84.99

प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री आधार वर्ष की तुलना में बढ़ी है। कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा लगभग समान रही थी। यद्यपि इनके मध्य के वर्षों में वृद्धि एवं कमी हुई। हालांकि घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा नहीं खोया। अन्य उत्पादकों ने मांग में अपने बाजार हिस्से में मामूली वृद्धि की। तथापि, संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में 2000-01 के दौरान 1.09% से तथा पिछले वर्ष के दौरान 1.78% से जांच अवधि के दौरान 1.03% तक की काफी गिरावट आई।

23. लाभप्रदता:

संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
लाभ					
उत्पादन लागत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82.94	83.87	83.99
निवल बिक्री वसूली-घरेलू	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84.22	93.43	96.92
लाभ/हानि (प्रति इकाई)	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	-74.42	-20.13	2.27

1267 GI/05-8

प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता जांच अवधि के दौरान बढ़ी तथा यह संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में लाभ दे रही थी जबकि पूर्ववर्ती वर्षों में वे घाटा उठा रहे थे ।

24. रोजगार:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
कर्मचारी	सूचीबद्ध	100	96	92	92

उपर्युक्त विश्लेषण से उद्योग में कर्मचारियों की संख्या में गिरावट प्रदर्शित होती है ।

25. मजदूरी:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
कर्मचारियों को प्रदत्त मजदूरी	सूचीबद्ध	100	102	104	110

प्राधिकारी ने यह पाया है कि कर्मचारियों को प्रदत्त मजदूरी में वृद्धि हुई है । तथापि, मजदूरी में यह वृद्धि उद्योग के लिए सामान्य मानी गई है ।

26. उत्पादकता:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	109.22	115.3	128.13

प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई थी क्योंकि घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन में वृद्धि की जबकि कर्मचारियों की संख्या में थोड़ी कमी आई ।

27. निवेश पर आय:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
एनएफए पर निवेशों से आय	सूचीबद्ध	(-)100	2.71	467.7	530.31

प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान निवल अचल परिसंपत्तियों पर आर ओ सी ई के संबंध में निवेश में आय में वृद्धि की । निवेश पर नकारात्मक आय की स्थिति की तुलना में उद्योग ने निवेश पर आय में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की ।

28. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों तथा उत्पादन की लागत में वृद्धि की जांच की । बिक्री कीमतें प्रमुख कच्चे माल एक्रिलोनाइट्राइल की कीमतों से प्रभावित हुई थीं । उत्पादन की लागत में निम्नानुसार प्रवृत्ति दिखाई दी : इसमें 2001-02 के दौरान काफी गिरावट आई तथा तत्पश्चात जांच अवधि के दौरान मामूली वृद्धि के साथ लगभग वैसी ही बनी रही । बिक्री वसूली में भी यही प्रवृत्ति दिखाई दी । हालांकि बिक्री वसूली में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई ।

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
उत्पादन लागत	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82.94	83.87	83.99
निवल बिक्री वसूली-घरेलू	रु./मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84.22	93.43	96.92

29. पाटन के मार्जिन की मात्रा:

यह पाया गया है कि इटली से आयातों के संबंध में पाटन का मार्जिन 24.20% था ।

30. नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभाव्य नकारात्मक प्रभाव:

नकद प्रवाह की स्थिति निम्नानुसार विश्लेषित की गई :

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
प्रचालन से नकद प्रवाह	सूचीबद्ध	-100	1066.71	796.5	1580.6

प्राधिकारी ने नोट किया है कि - जांच अवधि और पिछले वर्षों के दौरान वर्ष 2000-01 के संदर्भ में घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति में काफी सुधार हुआ था ।

31. माल सूचियां:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं के अंतिम स्टॉक की समग्र मात्रा के साथ-साथ स्टॉक में उत्पादन के दिनों का विश्लेषण किया :

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
अंतिम स्टॉक	सूचीबद्ध	100	20	88	34
स्टॉक में उत्पादन के दिनों की संख्या	सूचीबद्ध	100	19	83	29

प्राधिकारी ने पाया कि उत्पादन बढ़ने के बावजूद घरेलू उद्योग की माल सूची में उच्च बिक्रियों के कारण अत्यधिक गिरावट आई थी । इससे निष्पादन में महत्वपूर्ण सुधार प्रदर्शित हुआ ।

32. वृद्धि:

प्राधिकारी ने कारोबार, बिक्रियों, मांग और मांग बनाम बिक्रियों जैसे मापदंडों पर घरेलू उद्योग की वृद्धि का वर्ष-दर-वर्ष आधार पर निम्नानुसार विश्लेषण किया है:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
कारोबार में वृद्धि	सूचीबद्ध	9.20	-4.33	1.52	24.99
बिक्री मात्रा में वृद्धि	सूचीबद्ध	-10.26	13.60	-8.49	20.48
मांग में वृद्धि	सूचीबद्ध	-8.67	8.17	1.11	-4.01
मांग बनाम बिक्रियों में वृद्धि	सूचीबद्ध	-1.59	5.44	-9.60	24.49

कारोबार, बिक्रियों, मांग बनाम बिक्रियों के लिहाज से वृद्धि को बिल्कुल पर्याप्त माना गया था । समग्र मांग भी लगभग समान रही ।

33. पूंजी अथवा निवेश जुटाने की योग्यता:

घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान निष्पादन में सुधार प्रदर्शित किया है और लगाई गई पूंजी पर आय में सुधार हुआ था । यह पूरी क्षमता पर प्रचालन कर रही थी । तथापि, संबद्ध वस्तुओं की मांग से किसी अत्यधिक बढ़ती हुई प्रवृत्ति का

1267 GI/05-9

संकेत नहीं मिला । उद्योग किसी नये निवेश के लिए कोई निश्चयात्मक निर्देशन नहीं दे सका ।

34. क्षति का समग्र आकलन:

उपर्युक्त क्षति मापदंडों के मूल्यांकन से प्राधिकारी ने यह पाया कि अधिकांश मापदंडों जैसे उत्पादन, बिक्रियां, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय, क्षमता उपयोग में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा निष्पादन में सुधार प्रदर्शित किया गया । यद्यपि इटली से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों को 24.2% पाटन मार्जिन के साथ पाटित पाया गया था, लेकिन इन निर्यातों से उद्योग की घरेलू बिक्रियों में कोई कीमत कटौती नहीं हुई थी । इन आयातों के संबंध में कीमत कटौती नकारात्मक थी । घरेलू उद्योग की माल सूचियों में उत्पादन बढ़ने के बावजूद गिरावट आयी है । घरेलू उद्योग ने बिक्रियों और उत्पादन जैसे मापदंडों में वृद्धि प्रदर्शित की है । नकदी प्रवाह की स्थिति में भी सुधार हुआ है । उपर्युक्त जांच के अनुसार प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग को वर्तमान में कोई स्पष्ट वास्तविक क्षति नहीं हुई है ।

35. पाटन और क्षति के पुनः होने की संभावना:

उपर्युक्त मूल्यांकन के अनुसार प्राधिकारी ने यह पाया है कि वर्तमान में घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है । संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी था और इसलिए पाटन की संभावना की जांच करना आवश्यक नहीं समझा गया था । संबद्ध देश से निर्यातों की प्रवृत्ति से निर्यात बढ़ने की किसी संभावना का संकेत नहीं मिलता है । इसके अलावा, अत्यधिक पाटन का संकेत देने के लिए रिकार्ड दर कोई

सामग्री या साक्ष्य नहीं है जिससे यह संकेत मिलता हो कि इटली में क्षमता में वृद्धि हुई है । क्षति के पुनः होने की संभावना के बारे में प्राधिकारी पाते हैं कि यदि शुल्क हटाया जाता है तो मौजूदा जांच के दौरान संबद्ध देश से पाटन जारी रहेगा । विभिन्न आवश्यक मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग की कीमतों और घरेलू उद्योग की सामान्य स्थिति पर कोई प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा था । लगभग सभी मापदंडों ने निष्पादन में सुधार प्रदर्शित किया । यद्यपि इसके लिए संबद्ध देशों पर लागू मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है । तथापि, इटली से पाटन जारी रहने के बावजूद घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई थी । उत्पाद की मांग क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान लगभग स्थिर रही है और रिकॉर्ड पर कोई तथ्य नहीं है कि यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाता है तो पाटन और बढ़ेगा । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को हटाने की कोई संभावना नहीं पाते हैं ।

ज. निष्कर्ष:

36. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि समीक्षा जांच में :

- (i) इटली से 1.5 डेनियर से कम की एक्रिलिक फाइबर का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ii) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है;
- (iii) यदि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को वापस लिया जाता है तो क्षति के पुनः होने की कोई संभावना नहीं है ।

37. इसलिए प्राधिकारी नियम 23 के अनुसार दिनांक 12 अगस्त, 2002 के अंतिम जांच परिणामों में प्राधिकारी की सिफारिशों और दिनांक 12 सितंबर, 2002 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 95/2002 के अनुसार इटली के मूल की अथवा वहां से निर्यातित 1.5 डेनियर से कम की एक्रिलिक फाइबर के आयातों पर लगाए गए शुल्क को वापस लेने की अनुशंसा करते हैं ।

38. इस आदेश के विरुद्ध अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES

NOTIFICATION

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 19th April, 2005

Subject : Mid-term Review of anti-dumping duty imposed on imports of Acrylic Fibre below 1.5 Denier from Italy.

No. 15/17/2004-DGAD.— Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter also referred to as Rules) vide Notification No.43/1/2001-DGAD dated 12th August, 2002 issued its Final Findings recommending definitive anti dumping duty in the anti dumping investigation concerning imports of Acrylic Fibre below 1.5 Denier (hereinafter also referred to as subject goods) from Italy (hereinafter referred to as subject country). Definitive anti dumping duty was imposed vide Customs Notification No.95/2002-Customs dated 12th September, 2002.

2. And whereas, the Designated Authority(hereinafter also referred to as Authority), received a written application from the International Rayon and Synthetic Fibres Committee (CIRFS), Brussels on behalf of the exporter from Italy for review of anti dumping duty imposed on imports of subject goods due to changed circumstances with regard to injury. The request for the review, which contained positive information, was fully supported by the European Commission (EC). Mid-term Review of anti dumping duty imposed on imports of Acrylic Fibre below 1.5 Denier originating in or exported from Italy into India was initiated by the Designated Authority vide Notification No.15/17/2004-DGAD dated 3rd September, 2004 as per Rule 23 to determine whether the continued imposition of anti dumping duty is required to off-set dumping, and whether injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied or both.

A. The Original Investigation

3. The original investigation concerning imports of Acrylic Fibre below 1.5 Denier originating in or exported from Italy was initiated on 28th August, 2001, the preliminary findings were issued by the Designated Authority on 6.12.2001 and provisional duty was imposed vide Customs Notification dated 10.1.2002. The

final findings were issued on 12.8.2002 and definitive anti dumping duty was imposed vide Customs Notification No. 95/2002-Customs dated 12th September, 2002.

B. PROCEDURE:

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:-

- (i) The Authority issued a Public Notice dated 3rd September, 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Mid-term Review of anti dumping duty imposed on imports of Acrylic Fibre below 1.5 Denier originating in or exported from Italy into India covered under heading/subheading 5501.30 and 5503.30 of Schedule I of the Customs Tariff Act;
- (ii) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, known importers, the domestic industry, the Embassy of Italy in India, the Delegation of EC in India and gave them an opportunity to make their views known in writing;
- (iii) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to the following known exporters and Embassy of subject country in India and according to sub-rule (4) of Rule 6 supra, the Authority also sent a questionnaire to the following known exporters/representative body to give information within forty days from the date of initiation of this review:
 - M/s Monte Fibre,
Milan, Italy
 - International Rayon And Synthetic
Fibres Committee,
Avenue E. Van Nieuwenhuyse, 4,
B – 1160 Brussels
Belgium
- (iv) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods;
- (v) The Embassy of the subject country and the Delegation of EC in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, application and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;

1267 GI/05-10

M/s. Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd.,
Bhilwara Bhawan,
40-41, Community Center,
New Delhi – 110 065.

M/s. Siddharth Super Spinning Mills Ltd.,
211, Gagan Deep,
12, Rajendra Place,
New Delhi – 110 008.

M/s. Adhinath Textiles Ltd.,
Village – Bholapur,
P.O. Sahabana Mundia,
Ludhiana,
Punjab.

M/s. Vardhaman Spinning & General Mills,
Chandigarh Road,
Ludhiana – 141 011,
Punjab.

M/s. Malwa Cotton Spinning Mills Ltd.,
Industrial Area, 'A',
Ludhiana – 141 003,
Punjab.

M/s. Winsome Textile Industries Ltd.,
SCO 144-145, Sector 34-A,
Chandigarh – 160 022.

M/s. Bhiwani Textile Mills,
Bhiwani (Dist. Hissar),
Haryana.

M/s. Shruti Synthetics Ltd.,
Village Loyaran, Gagunda Road,
Udaipur,
Rajasthan.

M/s. Nahar Spinning Mills Ltd.,
373, Industrial Area – A,
Ludhiana – 141 003,
Punjab.

Indian Spinners' Association,
C/o The Millowners' Association,
Elphinstone Building,
10, Veer Nariman Road,
Fort, Mumbai – 400 001.

APM Industries Ltd., (Unit : Orient Syntex),
1009, Ansal Bhavan,
16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi – 110001.

Deepak Spinners Ltd.,
S.C.O. 16, 2nd Floor,
Sector 26,
Chandigarh – 160019.

Ludhiana Spinners Association,
75, Industrial Area-A,
Ludhiana – 141 003.

- (vii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 21 December 2004. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- (viii) The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7);
- (ix) Arguments made by the interested parties after initiation of the mid-term review investigation, subsequent to the public hearing and in response to the disclosures have been appropriately dealt with in these findings;
- (x) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 7th March, 2005 vide a disclosure statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (xi) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the domestic industry;

- (xii) *** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xiii) The investigation covered the period from 1st April, 2003 to 31st March, 2004. The injury analysis covered the three preceding years 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 and the POI.
- (xiv) Copies of the Initiation Notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc. for wider circulation.

C. Product under Consideration and Like Article:

5. Product under consideration :

The product under consideration in the original investigation was acrylic fibre below 1.5 Denier and for the present review also the product under consideration is acrylic fibre below 1.5 Denier. Acrylic fibre is covered under Heading No.5501.30 and 5503.30 of Chapter 55 of the First Schedule of the Customs Tariff Act and ITC HS Classification. This classification, however, is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. Indian Spinners Association, Mumbai has given arguments that Acrylic Fibre and Tow should be segregated as there are two separate HSN lines for fibre and tow. Fibre is the raw material for spindles working on cotton spinning system, while tow is the raw material of the knitting industry. Further, Mod Acrylic imports should be excluded from the imports. The domestic industry has argued that the arguments of ISA have already been dealt with in other investigations concerning acrylic fibre and the Authority has considered that acrylic fibre and tow are like article. This issue has already been decided by Hon'ble CESTAT in Appeal No.C/70/99-AD of M/s Oswal Woolen Mills Vs. Designated Authority.

The Authority is of the view that this is a Mid-term Review regarding anti dumping duty imposed on imports of Acrylic Fibre below 1.5 Denier. The scope of the product under consideration is not under review. Moreover, the issue of Acrylic Staple Fibre and Tow to be covered by the product description Acrylic Fibre has also been decided in the above appeal by the Hon'ble CESTAT. The Authority, therefore, holds that the product under consideration is Acrylic Fibre below 1.5 Denier which includes staple fibre and tow. Mod acrylic fibre is not covered in the scope of the product under consideration.

6. Like Article :

The domestic industry has claimed that there is no significant difference between the product manufactured by them and the product imported from subject country. They have also stated that the subject product has characteristics closely resembling to the goods being imported from the subject countries. There are no arguments to oppose this claim. The Authority notes that the domestic industry produces acrylic fibre of various deniers including

below 1.5 denier. Based on the information received from the importers and the information furnished by the domestic industry, the Authority is of the view that the product being manufactured by the domestic industry is a commercial substitute of the product under consideration and is comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, functions and uses, distribution and marketing and tariff classification. The Authority, therefore, holds the acrylic fibre of all deniers manufactured by the domestic industry as like article to the subject goods being imported from subject country.

D. Domestic Industry :

7. At the time of original investigation, Forum of Acrylic Fibre Manufacturers had filed the application and M/s Indian Acrylics Limited, M/s Pasupati Acrylon Ltd. and M/s Consolidated Fibre and Chemicals Ltd. had furnished information and participated in the investigation. In the present review investigation, besides the above three producers, M/s Vardhman Acrylics Ltd. has also given relevant information regarding cost and injury determination. The above four producers represent a major proportion of the total domestic production of the subject goods. The Authority has treated these producers as representing the 'Domestic Industry' within the meaning of Rule 2(b) supra.

E. Initiation of the Review, Responses received and Arguments raised:

8. In response to the initiation, responses have been made by the following:

a) Exporters:

M/s Monte Fibre, Italy has given information regarding export of about *** MT of acrylic fibre below 1.5 denier. They have given information regarding the export price. They have, however, not given information on the questionnaire regarding domestic sales, cost of production etc. to determine normal value. No other exporter has furnished any response. CIRFS has not made any response subsequent to initiation of this review investigation.

b) Importers/ Association:

The following importers/Association filed responses:

- i) M/s Banswara Syntex Limited, Banswara.
- ii) M/s Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd., Mumbai.
- iii) M/s Sutlej Industries Ltd., Mumbai.
- iv) Indian Spinners Association, Mumbai.

c) Domestic Industry

9. Procedural Issues raised by Interested Parties :

- a) Locus Standi of ISA – It has been argued by the domestic industry that Indian Spinners Association (ISA) cannot be considered as an interested

1267 GI/05-11

party under Rule 2(c) as they have not produced list of its members and their status with regard to consumption of acrylic fibre. ISA has argued that members of ISA are importers of acrylic fibre and some members have replied to the importer's questionnaire from time to time. Further, there may be no objection if a user asks its representative body to appear on its behalf just as consultants/advocates are allowed to participate in an investigation. The Authority notes that three importers had filed response in this MTR and they have given authorization to ISA to represent them. The Authority considered it appropriate to examine the arguments made by ISA.

b) No Justification for Mid-term Review Investigation – It has been argued by domestic industry that :

- The alleged changed circumstances stated by the petitioner do not constitute changed circumstances warranting Mid-term Review.
- The petition filed by the CIRFS is grossly deficient and has no positive evidence nor is sufficient information on record of Designated Authority demonstrating changed circumstances to warrant a Mid-term Review. The initiation is on the basis of unsubstantiated petition.
- It is not even the claim of the foreign producer that the product is no longer being dumped in the Indian market or the domestic industry is no longer suffering injury or is unlikely to suffer injury as a result of revocation of anti dumping duty.
- Price undercutting is just one parameter relating to the injury to the domestic industry. There are number of other parameters which would show that not only there is dumping but also injury is being caused to the domestic industry. The claim of exporter that there is negative price undercutting is not established by them.
- The petitioner further claimed that situation of the domestic industry deteriorated due to inefficiency and poor quality. The difference between EU and Indian producers with regard to standard of scale, efficiency and quality are not only factually incorrect but also misleading and legally untenable. The scale of operation of the EU plants claimed is factually incorrect. A Spanish plant has recently closed its operation. None of the Indian plants has faced closer in last ten years in spite of all kinds of difficulties created by dumped imports. The fact is that the European plants are crippled with much higher cost and large scale inefficiency and under utilization of plants. The domestic industry is making improvement in terms of sales, market share and capacity utilization, cash flow operations, return on investment. Though the profitability of the domestic industry has

investment. Though the profitability of the domestic industry has improved but it is not up to the mark due to continued dumping in the market.

- The jurisprudence on the Sunset Review regarding examination of likelihood of injury to Indian industry is to be equally applied in a Mid-term Review.
- The Authority must consider in view of the alleged changed circumstances warranting review, the likely volume, price effect and impact of imports on the domestic industry if the order is discontinued.
- As the grounds alleged by the exporter do not constitute changed circumstances warranting a review, the present review investigation is required to be terminated.

c) It has been argued by Indian Spinners Association (ISA) that the Designated Authority has recently issued Final Findings in the Mid-term Review of anti dumping duty on imports of Acrylic Fibre from Japan, Spain, Portugal and Italy vide Notification dated 10.11.2004 and the Authority had held that there was no need to continue anti dumping duty on import of Acrylic Fibre from Italy. In the said Notification, no denier has been specified and hence this finding is applicable to Acrylic Fibre of all deniers coming from Italy including denier below 1.5.

d) As regards the arguments of the domestic industry regarding the initiation of this review, the authority holds that the review is in accordance with Rule 23 of Anti Dumping Rules. CIRFS had furnished positive information regarding the changed circumstances of absence of price undercutting and resultant injury to the domestic industry. In response to the Disclosures, the domestic industry has argued that there was no evidence of negative price undercutting with the Designated Authority to justify initiation of review. The Authority is of the view that the applicant had furnished positive information as per Article 11.2 of the Anti Dumping Agreement and the Authority had prima facie examined the veracity of the information before initiating the review. Absence of price undercutting is also one of the significant parameters in the injury examination. The Authority holds that the review is in accordance with Rule 23 and Article 11.2 of the Agreement. As per Rule 23, the Authority is required to reach to a conclusion regarding continued imposition of the duty and where it is found that there is no justification for the continued imposition of the duty, the Authority has to recommend for its withdrawal. The conclusion can be reached after initiation of the review initiated on the basis of furnishing of positive information.

e) As regards arguments of ISA about the necessity of this Mid-term Review in view of another Mid-term Review finding dated 10.11.2004 in respect of imports of Acrylic Fibre from Japan, Spain, Portugal and Italy, the Authority is of

the view that anti dumping duty had been recommended under a separate findings under Notification No.43/1/2001-DGAD dated 12th August, 2002 in respect of imports of Acrylic Fibre below 1.5 denier from Italy. Therefore, Mid-term Review initiated on 3.9.2004 of the anti dumping duty on imports of Acrylic Fibre below 1.5 denier from Italy is appropriate and is held in order.

F. EXAMINATION OF CLAIMS REGARDING NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.

Normal Value

10. Copy of Initiation Notice was sent to the Embassy of subject country, Delegation of EC in India, CIRFS, the known exporters, importers and domestic industry. In response to the initiation of Mid-term Review, neither CIRFS nor any of the exporters from Italy have given information on the questionnaire. M/s Monte Fibre, Italy has given information regarding export of about *** MT of acrylic fibre below 1.5 denier. They have given information regarding the export price. They have, however, not given information on the questionnaire regarding domestic sales, cost of production etc. to determine normal value. No other exporter has furnished any response. There has been no response from the exporters and CIRFS to the Disclosures. In response to the Disclosures, the domestic industry while supporting the Authority's resort to 'facts available' as per Rule 6(8) has stated that the adjustments made were unreasonably low, without specifying the adjustments. In the absence of any specific claim regarding adjustments, the Authority has considered the adjustments made as appropriate. In response to the Disclosures, ISA has argued that it may be unfair to work out domestic prices in Italy on the basis of average domestic prices of Europe. The domestic industry should have submitted price details as published in commercial newspapers in Italy instead of relying on Tecnon prices, which gives average prices for the continent as a whole. The Authority has found that none of the exporters from Italy, nor CIRFS has given any information about domestic sales price of subject goods in Italy. ISA has also not furnished any information in support of their argument. In the absence of any response from the exporters and other interested parties, the Authority holds the exporters from Italy as non-cooperative and is constrained to resort to facts available as per Rule 6(8) read with Article 6.8 and Annex II of the Anti Dumping Agreement.

11. The domestic industry had furnished information regarding estimate of normal value in the written submissions subsequent to the public hearing. In support of their claim for normal value, they had relied on the trade journal Tecnon – 17th March, 2004 issue. The journal reported the domestic price of acrylic fibre prevailing during April 2003 – March 2004 in different regions including Europe. The Authority has determined normal value for Italy on the basis of the average domestic price of Acrylic fibre for Europe for the period April 2003 – March 2004 as reported in the journal Tecnon for determining normal

value. Adjustment of 5% has been made from the average price on account of retailer's margin and local freight. On the basis of this information, normal value is worked out as US\$ 1731.85 PMT.

12. Export Price

The domestic industry had furnished DGCI&S data relating to imports of Acrylic Fibre from various countries. As per DGCI&S data, the imports of acrylic fibre from Italy are 1141796 kgs for value of Rs.7,43,42,016/-. As per Monte Fibre, the exports of acrylic fibre below 1.5 denier are around *** MT. As per the Authority's information, there is no other exporter from Italy. The Authority is of the view that the higher exports quantity reported in DGCI&S data would be on account of exports of acrylic fibre of all deniers. The Authority has relied on the information given by M/s Monte Fibre as regards export price. Adjustments have been made from the export price on account of ocean freight @ \$*** per ton, insurance @ 0.5%, commission @ 3%, inland freight @ 1%, port expenses @ 1%. The net export price at ex-factory level has been determined as US\$ *** PMT.

13. Dumping Margin :

The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margin has been determined on the basis of a fair comparison of Export Price with the Normal Value in pursuance of the principle laid down in Para 6 of Annexure-1 to the Rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. Normal Value at ex-factory level has been compared with the export price at ex-factory level of Acrylic Fibre below 1.5 denier. Based on the Normal Value and export price as determined above, the Authority has determined the following dumping margin (%):

Normal Value	1731.85
Export Price	***
Dumping Margin	***
Dumping Margin %	24.20

G. INJURY TO THE DOMESTIC INDUSTRY

14. Issues raised by the domestic industry :

There is no claim by the petitioner that withdrawal of anti dumping duty is not likely to result in continued injury. As stated earlier, the claim of the petitioner with regard to negative price undercutting is clearly conjecture, unsubstantiated with positive evidence and unaccompanied with verifiable evidence.

1267 GI/05-12

14.1 World Production of Acrylic Fibre

The producers in Europe are facing losses because of sluggish demand in Europe. They have no choice but to dump the product in Asian market. Earlier China was importing huge volumes of subject goods from a number of countries. However, China has now increased its own domestic capacity and has in fact started exporting the product to other countries. This has resulted in unutilized capacities with several producers world over, and specifically in Europe.

14.2 Vulnerability of the Domestic Industry

The domestic industry has suffered continued material injury from the dumped imports from a number of countries. There is a great possibility that withdrawal of duty will result in flooding of the material in the Indian market. This is evident from the continued dumping from Italy even after duty in force. In other words, the Indian Market is vulnerable to imports, as the domestic industry could not completely survive due to past dumping from the present country and other countries. Such being the case, it is evident that the domestic industry is vulnerable to injury.

14.3 Ample Production Capacity of Exporters

Producers in Italy are having significant ample production capacity, whereas demand for the product in Europe is significantly low. It is understood that producers in Europe have significant capacities. Withdrawal of present duty therefore would result in significant imports in Indian market.

14.4 Level of Current Dumping Margin

It is evident that dumping margin from subject country is more than prescribed limits. In the previously concluded investigation also, the Designated Authority found significant dumping margin.

14.5 Dumping from a number of countries

The domestic industry suffered injury due to dumping from various countries, including the subject country, investigations against which are either under progress or anti dumping duty is already in force. The surplus unutilized capacity of the product world over is resulting in exports of the product below prevailing normal values. Unfortunately, the situation is resulting in continued dumping in Indian Market and continued injury to the domestic industry.

14.6 Injury from a number of sources

The domestic industry has suffered injury from dumping of the product from a number of sources. A number of these are attracting anti dumping duties. Thus,

the injury to the domestic industry is required to be seen in the light of existing duties and on-going investigations against other countries.

14.7 Import and Market Share

With regard to the volume of the dumped imports and its effect on the domestic industry, the ADA requires whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in the importing member. In case of mid term review, what the Designated Authority is required to examine is whether the domestic industry is no longer suffering injury and the withdrawal of ADD would not result in continued injury or recurrence of injury. Potential volume of imports, in the event of withdrawal of ADD is thus more relevant and important in case of midterm review than the actual volume of imports over the past period. It would be seen from the information on record that after imposition of anti dumping duty import from subject country showed decreasing trend over the years. Thus, imposition of duty enabled the domestic industry to increase its performance (on volume front) and consequently revocation of duty would lead to intensified injury to the domestic industry in terms of potential decline in its sales volumes.

14.8 Production, Sales, Capacity Utilization and Productivity

It would be seen that production, capacity utilization, productivity and sales of the domestic industry have increased over the years as a result of imposition of anti dumping duty.

14.9 Profit/Loss, Cash Flow, Return on Capital Employed

Though, the industry is not making sufficient profits, yet profitability improved. It is most likely that withdrawal of ADD would either result in flooding of the market with subject material in the Indian market or the domestic industry would have to reduce its selling price. Should the domestic industry prefer to reduce the selling price (which is the most likely situation, as the reduction in production would have very severe impact and is the last resort situation for the domestic industry), it clearly implies that withdrawal of ADD would have adverse impact on cash flow, profit and return on investment.

Return on capital employed and cash flow from operation showed improvements subsequent to imposition of anti dumping duty. In case anti dumping duty is withdrawn, it will not be in a position to maintain even the present level of return on investments. Such being the situation, injury to the domestic industry is likely to recur should the anti dumping duty be revoked.

15. Comments of the domestic industry on Disclosures:

The Designated Authority has examined only current injury suffered by the domestic industry. In a Mid-term Review likelihood of continued dumping and injury should also be examined. Given the fact that anti dumping duty is already in force, what is required to be examined under Section 9A(5) and Rule 23 is whether withdrawal of anti dumping duty is likely to result in continuance and/or recurrence of injury. Further, it has been argued that the test for threat of material injury are not applicable or relevant to the examination of recurrence of injury. The domestic industry is likely to suffer material injury as a result of continued dumped imports in the event of withdrawal of anti dumping duty. Improvements in one or several parameters after imposition of anti dumping duty does not imply that duty should be revoked. The performance of the domestic industry improved because of the present anti dumping duty. Price undercutting cannot be seen in isolation, when the domestic industry is faced with imports from a number of sources. As the essential parameters are satisfied, the anti dumping duties are required to be continued.

16. Issues raised by ISA :

- (i) There is a need to make separate calculation for filament tow and acrylic fibre. It is also necessary to exclude imports of mod-acrylic and unrelated products.
- (ii) CIRFS has given a note on the situation of the domestic industry which establishes that present problems of the acrylic fibre industry are due to small plant size, lack of efficiency, lack of quality, technological deficiency. Imports cannot be blamed for the problems of the domestic industry.
- (iii) The market share of domestic industry has greatly improved and that of imports has sharply fallen. Production and sales have shown improvement. Exports by domestic industry have shot up.
- (iv) The domestic industry has been able to achieve significant increase in the price of acrylic fibre. This increase in prices much more than that warranted because of the increase in the price of acrylonitrile.
- (v) Domestic prices inclusive of freight from the factory of the domestic producer to the gate of the mill plus sales tax and octroi which amounts to Rs.6.25 per kg. While making comparison of sales price for price undercutting, it is necessary to take this in view.
- (vi) The price of subject goods also depends upon the trend in prices of competing fibres like cotton, polyester, viscose etc. A holistic picture of all competing fibres has to be taken into account.

- (vii) As there is no injury because of imports, there is no need to continue the anti dumping duty in this case.

17. Examination by the Authority :

As regards arguments of ISA to make separate calculations for Filament Tow and Acrylic Fibre, the Authority is of the view that this is a Mid-term Review regarding anti dumping duty imposed on imports of Acrylic Fibre. The scope of the product under consideration is not under review. Moreover, the issue of Acrylic Staple Fibre and Tow to be covered by the product description Acrylic Fibre has also been decided in the appeal by the Hon'ble CESTAT. The Authority, therefore, holds that the product under consideration as Acrylic Fibre below 1.5 denier includes staple fibre and tow. The producers also report their annual accounts under overall description of acrylic fibre. The spinning of Tow and Staple fibre under two different spinning processes does not warrant segregation of Tow and Fibre. As regards Mod acrylic fibre, the Authority has analyzed the transaction-wise import data received from DGCI&S and Mod Acrylic Fibre has been excluded from the volume of imports. Authority does not find the argument of ISA as regards competition from other fibres as relevant. Moreover, no data has been furnished in support of the statement.

18. Analysis of injury parameters:

The authority has analyzed the injury information in respect of various injury parameters of domestic industry as under:

19. Volume of dumped imports and import prices:

The volume of imports of Acrylic fibre as per DGCI&S data has been found as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Imports	MT	1155	1033	2060	1142
Trend	Indexed	100	89.4	178.35	98.87
Other Countries	MT	12812	8636	19351	11417
Total Imports	MT	13967	9669	21411	12559
Market share in Imports					
Subject Country	%	8.27	10.68	9.62	9.09

The Authority found that imports from subject country had not increased significantly and were almost constant. The share of imports from subject country in total imports had marginally increased from 8.27% in 2000-01 to 9.09% during POI.

1267 GI/05-13

20. Price Effect:**(a) Price Undercutting:**

The Authority examined the effect of the dumped imports on the prices in the domestic market of subject goods. While examining the price undercutting, the Authority considered the sales realization of the like article produced by the domestic industry and compared it with the landed value of imports of subject goods from subject country. The Authority has also taken not of the argument of ISA as regards adjustments in domestic sales price due to freight, octroi etc. The Authority has considered the net sales realization of domestic industry excluding excise rebates, freight. The element of octroi is not included in the sales realization. Thus the comparison is at the same level. The evolution of price undercutting is found to be as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Export price	Rs./MT	64870	63150	63360	***
Landed Value	Rs./MT	78622	76538	76792	***
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting Range	%	1-10%	(-) 8-18%	(-) 1-10%	(-) 5-15%

The Authority found that the price undercutting was negative in respect of imports from Italy. The Authority does not find any price undercutting from the imports of subject countries.

(b) Price Suppression and Depression:

The Authority has examined the evolution of sales price and cost of production data of domestic industry during the injury analysis period as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Cost of Production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	82.94	83.87	83.99
Net Sales Realisation – Domestic	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84.22	93.43	96.92

The Authority found that the cost of production of domestic industry has shown declining trend. The sales realization has, however, not declined to that extent. It had declined during 2001-02. However, the sales realization increased during 2002-03 and 2003-04. The Authority did not find any price suppression or price depression.

21. Capacity, output and capacity utilization of domestic industry:

The Authority found the production capacity, output and capacity utilization of the domestic industry as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104.58	106.19	117.86
Capacity Utilization	%	88.01	92.03	93.45	103.73

The Authority found that the output of the domestic industry showed improvement and it increased to 117% with reference to the base year. The capacity utilization also showed improvement as it increased to 103.73% during POI in comparison to 88.01% during 2000-01.

22. Sales, Demands and Market Share:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Sales of domestic industry	Indexed	100	113.25	98.10	105.25
Sales of IPCL	Indexed	100	118.44	125.83	116.64
Sales of Indian Industry	Indexed	100	114.10	102.67	107.13
Imports	MT	13967	9669	21411	12559
Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108.17	109.37	104.99
Market share in Demand					
Domestic industry	%	72.47	75.88	65.01	72.75
Trend	Indexed	100	104.70	89.70	100.38
IPCL	%	14.29	15.65	16.44	15.90
Trend	Indexed	100	109.50	115.05	111.15
Subject Country	%	1.09	0.9	1.78	1.03
Trend	Indexed	100	82.66	163.06	94.28
Other Countries	%	12.14	7.56	16.76	10.32
Trend	Indexed	100	62.31	139.09	84.99

The Authority found that the sales of domestic industry increased with reference to the base year. The share of domestic industry in total demand remained almost same though there was an increase and drop in the intervening years. However, the domestic industry did not lose its market share. The other producer improved its market share in demand marginally. However, the share of imports from subject country declined to 1.03% during POI from 1.09% during 2000-01 and from 1.78 % during previous year.

23. Profitability:

The profitability of domestic industry in the sales of subject goods has been analyzed as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Profits					
Cost of Production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	82.94	83.87	83.99
Net Sales Realisation - Domestic	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84.22	93.43	96.92
Profit/Loss (Per Unit)	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-74.42	-20.13	2.27

The Authority found that the profitability of domestic industry had improved during the POI and it was making profits in the sales of subject goods whereas they were suffering losses in the previous years.

24. Employment:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Employees	Indexed	100	96	92	92

The above analysis shows a decline in the number of employees in the industry.

25. Wages:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Wages paid to employees	Indexed	100	102	104	110

The Authority found that there was an increase in the wages paid to the employees. However, this increase in wages was considered to be normal for the industry.

26. Productivity:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Productivity per Employee	Indexed	100	109.22	115.3	128.13

The Authority found that the productivity of the domestic industry had improved as the domestic industry increased its output whereas there was a small decline in the number of employees.

27. Return on Investment:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Return on Investment on NFA	Indexed	(-)100	2.71	467.7	530.31

The Authority found that the domestic industry had improved return on investment as regards ROCE on Net Fixed Assets during the POI. From a position of negative return on investment, the industry recorded a significant improvement in the return on investment.

28. Factors affecting domestic prices:

The Authority examined the evolution of sales price and cost of production of domestic industry. The sales price was affected by the price of the major raw material Acrylonitrile. The cost of production showed the following trends. It declined significantly during 2001-02 and thereafter, remained marginally the same with slight increase during POI. The sales realization also showed similar trends. However, the sales realization improved during POI.

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Cost of Production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	82.94	83.87	83.99
Net Sales Realisation – Domestic	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	84.22	93.43	96.92

29. The magnitude of margin of dumping:

It was found that the margin of dumping in respect of exports from Italy was 24.20%.

30. Actual and potential negative effects on Cash Flow:

The cash flow position was analyzed as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Cash flow from Operation	Indexed	-100	1066.71	796.5	1580.6

1267 GI/05-14

The Authority noted that there was a significant improvement in the cash flow position of domestic industry during the POI and in the previous years with reference to the year 2000-01.

31. Inventories:

The Authority analyzed the closing stock of subject goods of domestic industry in absolute quantity as well as number of days production in stock as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Closing Stock	Indexed	100	20	88	34
No. of days production in stock	Indexed	100	19	83	29

The Authority found that inspite of increased production, the inventory of the domestic industry had come down significantly due to higher sales. This showed significant improvement in performance.

32. Growth:

The Authority analyzed the growth of domestic industry on parameters such as turnover, sales, demand and demand vs. Sales on a year to year basis as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Growth in Turnover	Indexed	9.20	-4.33	1.52	24.99
Growth in Sales Volume	Indexed	-10.26	13.60	-8.49	20.48
Growth in Demand	Indexed	-8.67	8.17	1.11	-4.01
Growth in Demand V/s. Sales	Indexed	-1.59	5.44	-9.60	24.49

The growth in terms of turnover, sales, demand vs. Sales was considered quite significant. The overall demand also remained somewhat similar.

33. Ability to raise capital or investment:

The domestic industry has shown improved performance during the POI and the returns on capital employed had improved. It was operating at full capacity. However, the demand for the subject goods did not indicate any significant rising trend. The industry could not give any definitive indication for any new investment.

34. Overall assessment of injury:

From the evaluation of the above injury parameters, the Authority found that most of the parameters like output, sales, market share, productivity, return on

investment, utilization of capacity showed improved performance by the domestic industry during the POI. Though the exports from Italy of subject goods were found to be dumped with a dumping margin of 24.2%, these exports had not caused any price undercutting on the domestic sales of the industry. Price undercutting was negative in respect of these imports. Inventories of domestic industry have declined in spite of increased production. The industry has shown growth on parameters like sales, output. Cash flow has improved. As per the above examination, the authority found that there is no present material injury evident to the domestic industry.

35. Likelihood of recurrence of dumping and injury:

As per the above evaluation, the Authority has found that there was no present injury to the domestic industry. Dumping of subject goods was continuing from subject country and therefore, it was not considered necessary to examine likelihood of dumping. The trend of exports from subject country do not indicate any likelihood of increased exports. Moreover, there is no material or evidence on record to suggest that there is augmentation of capacity in Italy to indicate intensified dumping. As regards likelihood of recurrence of injury, should the duty be removed, the Authority finds that dumping continued during the current investigation from subject country. There was no perceptible adverse impact on the prices of domestic industry and the general state of the domestic industry in respect of various parameters. Almost all the parameters showed improved performance. Though it can be attributed to the present anti dumping duty in force on the subject countries, however, inspite of continued dumping from Italy there was no material injury to the domestic industry. The demand of the product has remained somewhat constant during the injury analysis period and there is no material on record that dumping would intensify should the anti dumping duty be removed. The Authority does not find any likelihood of recurrence of injury in case the present anti dumping duty is removed.

H. CONCLUSIONS

36. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that in the review investigation:

- (i) Acrylic fibre below 1.5 denier has been exported to India from Italy below its normal value;
- (ii) The domestic industry has not suffered material injury as a result of dumping of subject goods from subject country;
- (iii) There is no likelihood of recurrence of injury in case the anti dumping duty imposed on imports of subject goods from subject country is withdrawn.

37. The Authority, therefore, in accordance with Rule 23, recommends withdrawal of anti dumping duty imposed on imports of acrylic fibre below 1.5 denier originating in or exported from Italy as per Authority's recommendations in final findings dated 12 August 2002 and Custom's Notification No. 95/2002 dated 12 September 2002.

38. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority